सत्यप्रकाश मिश्र सभागार
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
इलाहाबाद केंद्र
ज्ञान ज्योति मैत्री
विशेष व्याख्यान
समाज, साहित्य और आज का समय
प्रो. विजय बहादुर सिंह
सत्यप्रकाश मिश्र सभागार/30 अक्तूबर 2017/2 बजे

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
Mahatama Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha
(A Central University Established by Parliament by Act No.3 of 1997)

विशेष व्याख्यान का आयोजन

सुल्तानी निगाहों में निगाहें डालता है साहित्य, आदमियत को रचता है साहित्य - प्रो. विजय बहादुर सिंह

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के इलाहाबाद केंद्र द्वारा विशेष व्याख्यान का आयोजन **'समाज, साहित्य और आज का समय'** विषय पर सत्य प्रकाश मिश्र सभागार में किया गया। विशेष व्याख्यान देते हुए ख्यातनाम आलोचक और कवि विजय बहादुर सिंह ने कहा कि लेखक शब्द को उसके समूचे अर्थ में प्रतिष्ठित करता है। जब शब्द सिर्फ सुनने को बचा है तब संकट बड़ा है। भाषा आदमी की पहचान है साहित्य इसे प्रतिष्ठित करता है। साहित्य आपकी पहचान को पुन:प्रतिष्ठित करता है। संकट के समय मूल्य बदल देने वाले व्यक्तियों की आज भरमार है। इसे उन्होंने निराला की काव्य पंक्ति 'जैसे वे हों शब्द मात्र' के हवाले से व्याख्यायित किया। साहित्य का 'शब्द' आज सबसे ज्यादा खतरे में है। जब सारी प्रतिरोधी शक्तियों की आवाजें गुम हो जाती है तब लेखक और कवि की आवाज बुलन्द होती है यह बात उन्होंने भवानी प्रसाद मिश्र के लेखन पर बात करते हुए कही। साहित्य सुलतानी निगाहों में निगाहें डालता है, यह मुक्तिबोध कह गए हैं। लेखक अपनी रचना का उपयोग अपने व्यक्तित्व को प्रकाशित करने के लिए न करें।साहित्य आदमियत को रचना करने वाला होना चाहिए। आदमी को इंसान बनाना ही साहित्य का मूल उद्देश्य है। जब हमारी चेतना, समाज की चेतना बुझ जाती है तो उसे जगाने का काम साहित्य करता है।

व्याख्यान के पूर्व स्वागत वक्तव्य और प्रस्तावना रखते हुए केंद्र के प्रभारी प्रोफेसर संतोष भदौरिया ने कहा कि साहित्य अन्त:करण के आयतन का विस्तार करता है। प्रेमचन्द ने कहा है कि 'साहित्य जीवन की आलोचना है'। साहित्य हमें मूल्यों की पहचान कराना सिखाता है। समाज से साहित्य का रिश्ता एक स्तरीय न होकर अनेक स्तरीय और सतत संवाद का होता है। कार्यक्रम का संचालन सहायक क्षेत्रीय निदशक डॉ. प्रकाश त्रिपाठी ने किया। स्वागत केंद्र के शिक्षक डॉ. ऋचा द्विवेदी एवं श्री गुरपिंदर ने किया। आभार डॉ. सालेहा जरीन ने व्यक्त किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से हरीशचन्द पाण्डेय, अरविन्द गुप्त, सूर्यनारायण, हितेश कुमार सिंह, प्रवीण शेखर, अंशुमान कुशवाहा, आरती, सपना सिंह, सतेन्द्र कुमार, कमलेश यादव, नरेन्द्र दिवाकर, सूर्या ई.वी. एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

25/10/17
प्रभारी
क्षेत्रीय केंद्र

क्षेत्रीय केंद्र
24/28–सरोजनी नायडू मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद–211001, उ.प्र., भारत
फोन– 0532–2420700, फैक्स : 0532–2424442, मो. 8004926360 ईमेल: mgahvalld@gmail.com वेबसाइट : hindivishwa.org

सत्यप्रकाश मिश्र सभागार
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
इलाहाबाद केंद्र
ज्ञान शांति मैत्री
विशेष व्याख्यान
समाज, साहित्य और आज का समय
प्रो. विजय बहादुर सिंह
सत्यप्रकाश मिश्र सभागार/30 अक्तूबर 2017/2 बजे